कशिनगंगा जलवद्यिुत एवं पकल दुल बजिली परयिोजना : घाटी के वकिास की नई लहर

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू एवं कश्मीर में कशिनगंगा जलवद्यिुत परयिोजना का उद्घाटन कयिा। साथ ही इस अवसर पर उन्होंने पकल दुल बजिली परयिोजना का शलिान्यास भी कयिा। पकल दुल बजिली परयिोजना की क्षमता 1000 मेगावाट की है, यह जम्मू एवं कश्मीर की सबसे बड़ी जलवद्यिुत परयिोजना होगी। वशिेष बात यह है कि यह जम्मू एवं कश्मीर में पहली भंडारण परयिोजना भी है।

कशिनगंगा जलवद्यिुत परयिोजना

- कशिनगंगा जलवद्यिुत संयंत्र से कशिनगंगा नदी पर बांध बनाकर जलवद्यिुत उत्पन्न की जाती है। यह जम्मू कश्मीर में बन्दीपुर से पाँच कमिी उत्तर में स्थति है। इसकी स्थापति क्षमता 300 मेगावाट बजिली पैदा करने की है।
- जम्मू–कश्मीर सरकार एवं भारत सरकार के बजिली मंत्रालय के बीच जुलाई 2000 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कयिे जाने के बाद राज्य सरकार द्वारा नष्पिादन के लयिे इस परयिोजना को एनएचपीसी (National Hydroelectric Power Corporation – NHPC) के सुपुर्द कर दयिा गया था।

लाभ

- कशिनगंगा जलवद्यिुत परयिोजना राज्य को 13 प्रतशित की नःिशुल्क बजिली उपलब्ध कराएगी जो लगभग 133 करोड़ रुपए प्रतविर्ष के बराबर होगी।
- इस परयिोजना से राज्य को अन्य लाभ भी होंगे जैसे- जम्मू एवं कश्मीर के लोगों को रोज़गार मलिेगा, राज्य में बुनयिादी ढाँचे का वकिास होगा आदि।
- ऐसा अनुमान है कि निरि्माण चरण के दौरान प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोज़गार के माध्यम से इस परयिोजना में 1850 स्थानीय व्यक्तशिामलि होंगे तथा परचिालन चरण के दौरान 750 स्थानीय व्यक्तइिससे जुड़ेंगे।

कशिनगंगा जलवद्यिुत परयिोजना ववािद

- भारत ने जम्मू-कश्मीर के बारामूला ज़लिे में कशिनगंगा नदी पर 300 मेगावाट की जलवद्यिुत परयिोजना स्थापति करने का नरि्णय कयिा। इस परयिोजना पर वर्ष 2007 में ही काम शुरू हो गया था, लेकनि इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि अभी तक इस मामले में कोई उल्लेखनीय प्रगतदिेखने को नहीं मलिी है।
- गौरतलब है कि वर्ष 2010 में पाकस्तिान ने अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय (International Court of Arbitration) में इस परयिोजना के सबंध में यह कहते हुए आपत्तदिर्ज कराई थी कि इस परयिोजना के बनने से कशिनगंगा नदी के 15 फीसदी पानी पर, यानी कजिसि पर उसका अधकिार है (सधिु जल समझौते के तहत), वह छनि जाएगा।
- इसके अलावा, पाकस्तिान ने भारत पर उसकी नीलम-झेलम पनबजिली परयिोजना को नुकसान पहुँचाने के लयिे नदी का रुख मोड़ने का भी आरोप लगाया था।
- दरअसल, इस मामले में पकस्तिान की दलील यह थी कि किशिनगंगा नदी का रुख मोड़कर इसे झेलम नदी की एक सहायक नदी बनाना सधिु जल समझौते के खलिाफ है।
- ध्यान रहे कि इस परयिोजना के अंतर्गत 'बोनार-मदमती नाला' के ज़रयिे कशिनगंगा नदी को झेलम से जोड़ा जाना था।
- नीदरलैंड के हेग स्थति अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय ने अपने 'आंशकि फैसले' में कहा था कि किशिनगंगा पनबजिली परयिोजना (केएसईपी) वस्तुतः "नदी के बहाव से चलने वाला" संयंत्र है और इस संयंत्र से वद्यिुत् उत्पादन के लयिे भारत कशिनगंगा या नीलम नदी के पानी का रुख मोड़ सकता है।
- यहाँ बताते चलें कि किशिनगंगा, नीलम नदी का ही दूसरा नाम है। न्यायालय ने अपने फैसले में यह भी कहा कि इस परयिोजना के परचिालन के दौरान भारत पर कशिनगंगा नदी में पानी का न्यूनतम बहाव बनाए रखने की भी बाध्यता है।
- न्यायालय ने दोनों देशों द्वारा उपलब्ध कराए गए जल वज्ञिान संबंधी नए आँकड़ों के आधार पर अपने 'अंतमि फैसले' में न्यूनतम बहाव की दर 9 घन मीटर प्रतसिेकंड नरि्धारति की थी।
- साथ ही, फैसले में यह भी कहा गया था कि यह संधभिारत को कसिी अनपेक्षति आपात स्थतिके अलावा पाकस्तिान को आवंटति इन नदयिों के जलाशयों में पानी का स्तर 'स्थरि संग्रह स्तर' के नीचे करने की इज़ाज़त नहीं देती।
- ध्यान देने योग्य बात यह है कि अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय द्वारा परयिोजना से सबंधति क़ानूनी ववािदों को तो हल कर लयिा गया, कन्तिु परयिोजना के डज़िाइन सबंधी ववािदों को द्वपिक्षीय वार्ता के माध्यम से सुलझाने का नरि्णय लयिा गया था। ध्यातव्य है कि अभी तक इस सबंध में कोई प्रगतनिहीं

हुई है, अतः डिज़ाइन सबंधी विवाद यथावत बना हुआ है।

पकल दुल परियोजना

- आर्थिक मामलों पर मंत्रिस्तरीय समिति की मंज़ूरी के अनुसार, पकल दुल की परियोजना लागत 8112.12 करोड़ रुपए है। यह परियोजना भारत सरकार एवं जम्मू-कश्मीर राज्य सरकार दोनों द्वारा समर्थित है।
- इसके कार्यान्वयन की समय-सीमा परियोजना के आरंभ होने से 66 महीनों तक की निर्धारित की गई है।
- इस परियोजना से डाउन स्ट्रीम परियोजनाओं में 650 एमयू का अतिरिक्त सृजन होगा क्योंकि यह भंडारण प्रकार की परियोजना है और खाली मौसम में जल उपलब्धता में भी सुधार लाएगी।
- पकल दुल परियोजना से जम्मू एवं कश्मीर के लोगों को काफी लाभ पहुँचेगा। निर्माण चरण के दौरान प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोज़गार के माध्यम से इस परियोजना से लगभग 3000 व्यक्तियों तथा परिचालन चरण के दौरान 500 व्यक्तियों को रोज़गार मिलेगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pakal-dul-hydroelectric-project-to-create